गोलालारीय समाज का मुखपत्र

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/ICD/1252/2012-2014

श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास
इन्दौर

golalariya_darshan@yahoo.co.in

गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com

मासिक
गोलालारीय दर्शन
अपनों के साथ अपनी बातें

जो भरा नहीं हैं भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं। हृदय नहीं पत्थर हैं वो, जिसे समाज से प्यार नहीं।

वर्ष : 3 अंक : 10 पृष्ठ संख्या : 8 माह – मार्च 2012 सहयोग राशि : 100 रु.

अतिथि सम्पादक की कलम से...

स्वागत ! वर्ष नवीन

स्वागत नूतन वर्ष ! समय द्रुम की नवशाखा,
स्वागत वर्ष नवीन ! जगत जन की अभिलाषा,
स्वागत द्वादशा: मास छटा से आने वाले,
स्वागत षट् ऋतुमयी, महाछवि लाने वाले ।।

नववर्ष मंगलमय हो

आप सोच रहे होंगे कि नये साल की बधाई इतनी देर से क्यों ? इसे तो एक जनवरी को देना था, लेकिन आप जानते है । जनवरी को मनाया जाने वाला नववर्ष यूरोपियन सभ्यता के ग्रेगेरियन कैलेण्डर के अनुसार होता है, लेकिन हिन्दु विक्रम संवत् के अनुसार हम भारतीयों का नववर्ष, सृष्टि का आरंभ, चैत्र के प्रतिपदा (प्रथम दिन) को हुआ। भास्कराचार्य के अनुसार लंका नगरी में सूर्य उदय होने पर उसी के वार चैत्र मास, शुक्लपक्ष के आरंभ में दिन, मास, वर्ष युग आदि एक साथ आरम्भ हुए । हिमाद्री ग्रंथ के अनुसार चैत्र शुक्ल पक्ष के प्रथम दिन सूर्योदय के समय ब्रह्मा ने जगत की रचना की। ब्रिटिश दासता के काल में विदेशी भाषा और उस भाषा शिक्षा के कारण विदेशी मान्यताएं, मूल्यों एवं संस्कृति का प्रभाव, सामजिक जीवन के प्रभावशाली वर्गों पर हुआ इसका परिणाम यह हुआ कि इससे अपने देश की संस्कृति परम्परा और मान्यताओं के बारे में हीनता का बोध और विदेश की हर बात में श्रेष्ठता का भाव पनपा।

दुर्भाग्य से आज़ादी के बाद भी देश का नियामक वर्ग उसी प्रवाह में बहने लगा, जिससे एक ओर जहां एक जनवरी को चारों और हैप्पी न्यू इयर की धूम मचने लगी, वहीं दूसरी ओर भारतीय वर्षारम्भ वर्ष प्रतिपदा उपेक्षित हो गया।

पराधीनता के काल में अंग्रेजों ने ईस्वीं संवत् को ही मान्यता देकर सभी काम काज चलाने का प्रयास किया। अब इसे हमें बदलना होगा इसके लिए हमें अपनी संस्कृति, परंपरा, भाषा और जीवन के विविध क्षेत्रों में अपने पूर्वजों का योगदान और हमारा देश किसी से भी कमतर नहीं है, ऐसे भाव से समाज को परिचित कराना ही होगा। नवसंवत्सर पर एक दूसरे को बधाईयां देनी होगी और भेजना होंगे शुभकामना पत्र। बहुत लोगों को तो भारतीय नववर्ष के बारे में जानकारी ही नहीं है, इसके लिए हम सभी को युद्ध स्तर पर कार्य करना होगे, अपनी गरिमा को बनाये रखने के लिए।

भारतीय काल गणनानुसार वर्ष प्रतिपदा के दिन नवीन संवत्सर का आरंभ होता है, वर्ष प्रतिपदा का मुहूर्त सभी शुभ कार्यों के प्रारंभ करने के लिए उचित माना जाता है। ईस्वीं संवत् ईसा के जन्म से मृत्य पर्यन्त मनाया जाता है, लेकिन किसी के जन्म और मृत्यु को आधार बनाकर समय को नापना अवैज्ञानिक है। हमें गंव है कि हम ईसाई कैलेण्डर से 57 साल आगे है। धीरे धीरे लोग ईस्वीं संवत् के मोहपाश से निकलकर भारतीय संवत् की गरिमा समझने लगे है, यह प्राकृतिक, वैज्ञानिक और ऐतिहासिक मानदण्डों पर अधिक खरा है। भारत में विक्रमी संवत् आज सबसे अधिक प्रचलित है, यह प्रकृति के बहुत समीप है। उसके आरंभ के समय संपूर्ण प्रकृति में परिवर्तन दिखाई देता है । वृक्षों पर नये पत्ते, नये फूल खिल जाते है, प्रकृति में चारों ओर नवीनता छा जाती है। विक्रम संवत् के अनुसार ही स्कूल, विद्यालय, विश्वविद्यालय, न्यायालय चलते है। समुद्र के किनारे रहने वाले लोगों को वृहत् ज्वार या लघु ज्वार की कल्पना भारतीय संवत् के द्वारा ही मिलती है। अंग्रेजी संवत् से नहीं। भारतीय संवत् आज प्रभावशाली है, इसलिए हम स्वदेशी संवत् के महत्व को समझे और इसे अधिक महत्व देने का प्रयास करें।

52वीं सदी (विक्रम संवत् के अनुसार) के प्रवेश को हम पुनर्जागरण का युग बनाएं, आने वाला नया साल मानसिक दासता को दूर कर ''भारत के गौरव के साथ ही मेरा जीवन–जीवन है''। इस सच को स्वीकार करने के साथ ही मेरा भारत अखिल विश्व में सुशोभित हो इतना प्रयास हम सभी सुधी पाठकों को अपने देश के लिए करना ही होगा।नव प्रतिपदा आपके जीवन में उल्लास, खुशहाली, सुख, स्वास्थ्य और अतुल संपदा लावे, इसी हार्दिक कामना के साथ....

''भारतीय नूतन वर्ष आपको मंगलकारी हो ।''

– साधना जैन,
आकाशवाणी उद्घोषिका, भोपाल

कु. सिम्मी जैन ने किया समाज को गौरवांवित ।

विदिशा, कन्छेदीलाल जैन। विदिशा के प्रतिष्ठित परिवार श्री सनतकुमार सुमन जैन की सुपुत्री कु. सिम्मी जैन का म.प्र. लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सहायक संचालक (स्थानीय निधि) वित्त विभाग में चयन हुआ है। संभवत: हमारी समाज की यह प्रथम बालिका है जिसने छोटी सी उम्र में इतनी ऊंचाईयों को प्राप्त कर समाज को गौरवान्वित किया है।

कु. सिम्मी जैन ने अपनी प्राथमिक शिक्षा विदिशा में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण कर स्नातक की उपाधि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी से प्राप्त की। तत्पश्चात सार्थक इंस्टीट्यूट विदिशा एवं जीटो दिल्ली तथा इन्दौर के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण कर प्रथम साक्षात्कार में ही 1500 से अधिक परीक्षार्थियों में 45वीं रेंक प्राप्त कर राज्य शासन में द्वितीय श्रेणी अधिकारी नियुक्त हुई है। आप इस उपलब्धि का श्रेय आचार्य श्री विद्यासागर महाराज, मुनिश्री क्षमासागरजी महाराज एवं आर्यिका श्री तथामति माताजी के साथ अपने माता पिताजी एवं मामाजी श्री धरणेन्द्र कुमार एवं अतुल कुमार जैन को देती है, जिनकी प्रेरणा एवं आशीर्वाद से उन्हें यह मुकाम हासिल हुआ है।

सिम्मी जैन की उपलब्धि पर विदिशा समाज अध्यक्ष डॉ. सतीश जैन, उपाध्यक्ष जिनेश्वरदास जैन, संरक्षक इंजी के.के. जैन, कोषाध्यक्ष सुनील कुमार जैन, डॉ. महेन्द्रकुमार जैन (बिस्किट), सहसचिव कमलेश कुमार जैन एवं गोलालारीय दर्शन के संवाददाता कन्छेदीलाल जैन ने उनके निवास पर जाकर श्रीफल एवं गुलदस्ता भेंट कर अभिनंदन कर समाज की ओर से हार्दिक बधाईयां दी।

इन्दौर समाज की ओर से समाज अध्यक्ष श्री कोमलचंदजी, स्थायी न्यासी श्री राजेन्द्रकुमारजी 'सायकलवाले' एवं सचिव श्री बाहुबलीजी ने कु. सिम्मी जैन की उपलब्धि को गोलालारीय समाज के लिए गौरवशाली उपलब्धि बताया । उनके उज्जवल भविष्य की कामना के साथ अनुरोध किया कि वे मार्गदर्शन देकर समाज के बच्चों को लाभान्वित करें।

समाज अध्यक्ष, सचिव, स्थायी न्यासी के साथ उपाध्यक्ष श्री विजयकुमार जैन, सहसचिव श्री सुरेशचंदजी, श्री नवीन पंचरत्न, श्री अनिल जैन (होजयरी) श्री राजेन्द्रकुमार जैन (सांईनाथ कालोनी), श्री निशांत जैन सोशल ग्रुप कोषाध्यक्ष, श्री नीरज जैन व गोलालारीय दर्शन के संपादक श्री राजेन्द्र जैन 'बागो' ने कु. सिम्मी जैन को पुष्पकुंज प्रदान कर सम्मानित किया। ''गोलालारीय दर्शन'' परिवार की ओर से समाज की प्रतिभाओं को समाज से जोड़ने के प्रयासों से भी अवगत कराया । प्रतिवर्ष वार्षिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण विद्यार्थियों व शासकीय व गैर शासकीय संस्थानों में कार्यरत प्रशासक, डॉक्टर, प्रबंधक एवं इंजीनियरो का सचित्र विवरण ''समाज गौरव'' में निरंतर प्रकाशित कर समाज की प्रतिभाओं को उचित मंच प्रदान करने का कार्य समाज का मुखपत्र पूर्ण जवाबदारी के साथ करता रहा है।

कु. सिम्मी ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में अपनी इस सफलता का श्रेय गुरुवर, माता पिता, मामाजी व अपने कोचिंग संस्थान को दिया। गोलालारीय दर्शन के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए आश्वस्त किया कि वे समाज को मुख पत्र के माध्यम से इस विषय में चाही गई जानकारियों व मार्गदर्शन के लिये वे सदैव उपलब्ध रहेगी। प्रशासनिक परीक्षाओं की तैयारियों के लिए आपके प्रश्न सादर आमंत्रित है तथा जिनका निराकरण आगामी अंक में सुश्री सिम्मी जैन के जवाबों से किया जावेगा।

संपूर्ण गोलालारीय समाज उनकी इस उपलब्धि पर उन्हें लाखों बधाईयों के साथ शुभाशीष प्रेषित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

सफलता पर हार्दिक बधाईयाँ

एन.एस.ई.बी. (नेशनल स्टेण्डर्ड एक्ज़ामिनेशन इन बॉयोलॉजी) की वर्ष 2011की राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित परीक्षा में **कु. आरोही डॉ. राजेश कुमार–अंजू जैन,** भोपाल ने 316वीं रेंक प्राप्त की । इस परीक्षा में देशभर के 12600 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कक्षा 7वीं में अध्ययनरत **कु. आयुषी अनिल कुमार–सीमा जैन,** ललितपुर ने अंतर्राष्ट्रीय इन्फोमेटिक ओलम्पियाड वर्ष 2011 की परीक्षा में अपनी कक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्त करते हुए राज्य स्तर पर 240वीं रेंक अर्जित की ।

कु. अर्पिता अरविन्द जैन जबलपुर एवं **कु. प्रिया प्रदीप कुमार जैन डोंगरगढ़ (छ.ग.)** ने चार्टर्ड एकाउण्टेंट की परीक्षा के प्रथम एवं द्वितीय समूह प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण करने पर 'गोलालारीय दर्शन' परिवार की ओर से हार्दिक बधाई।